Gazettes & Debates Section
Parliament Library Building
Room No. FB-025
Block 'G'
Acc. No. 25144
Dated 21.11.2014

THE PARLIAMENTARY DEBATES

(Part I—Questions and Answers)

OFFICIAL REPORT

HOUSE OF THE PEOPLE

Wednesday, 8th April, 1953

The House met at Two of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

राज-भाषा

*१२१३. **श्री एम० एल० द्विवेदी** : क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे :

(क) केन्द्रीय सरकार ने संघ की राज-भाषा (हिन्दी) में एक-रूपता लाने के लिये क्या कार्यवाही की है ; और

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा आयोजित राज-भाषा कोष का संकलन कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ?

The Deputy Minister of Natural Resources and Scientific Research (Shri K. D. Malaviya): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House. [*See* Appendix VIII, annexure No. 35.]

श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या मैं पूछ सकता हूं कि जैसा कि स्टेटमेंट में कहा गया है कि विभिन्न रियासतों से सहायता ली जा रही है उस के लिये क्या किसी कमटी का निर्माण हुआ है । अगर हुआ है तो उस के मेम्बरों के क्या क्या नाम हैं और वह किन किन विषयों में विशेष योग्यता रखते हैं ?

श्री के० डी० मालवीय: जैसा कि जवाब में बतलाया गया है कि इस काम के लिए

बोर्ड आफ सांइटिफिक टरमिनालाजी बनाया गया है । वही इस काम को कर रहा है । इस सम्बन्ध में जो काम स्टेटों में हो रहा है उस के लिए लिखा गया है कि वह उस को यहां भेज दें तो हम उन सुझावों से सहायता लें ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या इस को भेजने के लिए गवर्नमेंट आफ इंडिया की तरफ़ से कोई पत्र लिखा गया है और अगर लिखा गया है तो यह काम इस वक्त किस स्टेज पर है ?

श्री के० डी० मालवीय : पत्र लिखा जा चुका है । वह एक सरकुलर है जिस की तारीख है जनवरी सन् ५१ (या ५२)

ملسٹر آف ایجوکیشن اینڈ نیچرل ریسورسز اینڈ سائینٹفک ریسرچ (مولانا آزاد) جو حالات ہمیں معلوم ہیں وہ یہ ہیں - جس وقت سے بورڈ نے کام شروع کیا ہے یہ بات اس کے سامنے رہی ہے - خود گورنمنٹ آف انڈیا نے تمام اسٹیٹ گورنمنٹوں اور سنٹرل گورنمنٹ کی مختلف ماسٹریوں کو اس طرف توجہ دلائی ہے - چنانچہ مختلف ماسٹریوں میں جتنا کچھ کام ہوا تھا ، وہ انہوں نے بورڈ کے حوالے کر دیا - اسٹیٹس سے بھی کچھ چیزیں آئی ہیں اور بورڈ نے ان پر غور کیا ہے -

[The Minister of Education and Natural Resources and Scientific Research (Maulana Azad): According to our information, this has been kept in view by the Board ever since it started work. The Government of India themselves have drawn the attention of all the State Governments and of the various Central Government Ministries to this. Accordingly, whatever work had been done already by the various Ministries has been made over by them to the Board. Some material has also been received from the States and the Board has considered the same.]

श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या मैं पूछ सकता हूं कि यह जो इस जवाब में लिखा है कि "It is a huge task and the progress has necessarily to be slow." तो इस कोष के सिलसिले में अब तक कितना काम हो चुका है और क्या और ज्यादा आदमी लगा कर इस को जल्दी खत्म कराया जा सकता है ?

مولانا آزاد : مجھے اندیشہ ہے کہ آنریبل میمبر کو اس کام کی مشکلات کا پورا اندازہ نہیں ہے - وہ یہ خیال کرتے ہیں کہ جس طرح معمولی الفاظ کی ڈکشنریاں بنتی ہیں اسی طرح کا یہ کام بھی ہے - حالانکہ یہ کام بالکل دوسری طرح کا ہے - ہمیں پہلی مرتبہ ہندی میں سائنٹفک اور ٹیکنیکل ٹرمز بنانے ہیں - ہم کو دراصل ایک نئی ٹکسال بنانی ہے اور نئے سکے ڈھالنے ہیں - یہ کام اس طرح کا نہیں ہے کہ جلدبازی کے ساتھ کر دیا جائے - اگر جلد بازی کے ساتھ کیا جائیگا تو سارا کام بگڑ جائیگا - یہ میں وثوق کے ساتھ کہہ سکتا ہوں کہ بورڈ پوری تیزی کے ساتھ کام کر رہا ہے - کیمسٹری اور فزکس کی پہلی جلد تیار ہو گئی ہے - ابھی دس بارہ دن ہوئے ہیں ، میں نے آرڈر دیا ہے کہ اس کو پریس میں بھیج دیا جائے - وہ چھپیگی اور تمام ملک میں شائع کی جائیگی تاکہ لوگوں کو دیکھنے اور رائے دینے کا موقعہ ملے -

[Maulana Azad: I am afraid the hon. Member does not fully appreciate the difficulties of this task. He thinks it is like the work involved in the preparation of general dictionaries. This is quite a different type of work. For the first time we are going to coin scientific and technical terms in Hindi. We have really to establish a new mint and to strike new coins. This is not the kind of work that could be hurried through. Hurry in this case would spoil the whole game. I can of course say with confidence that the Board is working at full speed. The first volume on Chemistry and Physics has already been prepared. Only ten or twelve days back I passed an order that it should be sent to press. It will be got printed and published so that everybody in the country might have an opportunity of seeing it and of making his comments.]

सेठ गोविन्द दास : जितने प्रदेशों को इस सम्बन्ध में पत्र लिखे गये है उन में से कितने प्रदेशों से वहां पर जो सामग्री तैयार हो गयी है वह आ गयी है।

مولانا آزاد : یہ اس وقت نہیں بتلایا جا سکتا -

[Maulana Azad: This cannot be stated just now.]

श्री के० डी० मालवीय : इस सम्बन्ध में सभी स्टेटों को लिखा गया है । बहुत सी स्टेटों से सहयोग मिल रहा है । कुछ स्टेटों में जहां अपने अपने विभिन्न सिद्धान्तों पर काम हो रहा है उन का ध्यान इस तरफ दिलाया गया है ।

श्री अलगूराय शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि जो बोर्ड यह काम कर रहा है उस के मेम्बरों के नाम क्या हैं ?

श्री के० डी० मालवीय : जो बोर्ड आफ साईंटिफिक टरमीनालाजी बना है

उस के मेम्बरों के नाम ये हैं :

विज्ञान के विशेषज्ञ लोग ये हैं :

डाक्टर ऐस० ऐच० भटनागर, डा० डी० ऐस० कोठारी, डा० बेनी प्रसाद, डा० के० ऐन० भाल, डा० जे० सी० घोष, प्रो० ऐम० मुजीब, डा० के० मित्रा ।

जो लोग फिलालाजिस्ट हैं उन के नाम ये हैं :

डा० सी० आर० रेड्डी, डा० ऐस० के० चटर्जी, आचार्य नरेन्द्र देव, श्री काका कालेलकर, डा० जाफर अली खां अंसर, डा० यदुवंशी ।

और इस के चेयरमैन हैं गवर्नमेंट आफ इंडिया के ऐजुकेशनल ऐडवाइजर ।

सेठ गोविन्द दास : बोर्ड में जिन सज्जनों को रखा गया है क्या उन के सम्बन्ध में उन संस्थाओं से कोई सिफारिशें मांगी गयी थीं कि जिन संस्थाओं ने इस विषय में बहुत बड़ा काम किया है ?

مولانا آزاد : نہیں، گورنمنٹ نے خود غور کیا اور غور کر کے یہ بورڈ بنایا ہے۔

[**Maulana Azad**: No, the Government constituted this Board on their own initiative.]

सरदार ए० एस० सहगल : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि बोर्ड के जो सदस्य मुकर्रर किये गये हैं वह किस किस विषय के विशेषज्ञ हैं ?

श्री के० डी० मालवीय : मैं ने जिन वैज्ञानिकों का जिक्र किया है उन में से डाक्टर ऐस० ऐस० भटनागर कैमिस्ट्री के विशेषज्ञ हैं, डाक्टर डी० ऐस० कोठारी फिजिक्स के विशेषज्ञ हैं, डा० बेनी प्रसाद बाटनी के विशेषज्ञ हैं . . .

Mr. Deputy-Speaker: I cannot allow all this.

Shri Meghnad Saha: Are there whole-time workers for this work or only honorary workers?

Shri K. D. Malaviya: They are honorary workers.

Several Hon. Members *rose*—

Mr. Deputy-Speaker: We cannot occupy a whole hour with one question, however important it may be. Next question.

VERIFICATION OF CLAIMS

***1214. Sardar Hukam Singh**: (a) Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to state whether the work of verification of Claims filed by the displaced persons in respect of properties left by them in West Pakistan has been completed?

(b) If so, what is the total value of claims verified so far?

(c) What properties have not been taken into account in this verification?

The Minister of Rehabilitation (Shri A. P. Jain): (a) On the 21st March, 1952 about 1,600 property sheets including 414 relating to Tochi, Kurram and some late migrants remained to be verified.

(b) It is regretted that this information cannot be supplied at present.

(c) (i) Properties belonging to certain kind of Trusts such as religious and charitable Trusts:

(ii) Certain type of rural housing property of those to whom agricultural land has been allotted in India; and

(iii) Open plots in village sites.

Sardar Hukam Singh: Can the hon. Minister give a rough idea of what the property under (c) would be?

Shri A. P. Jain: All those figures are being finally worked out. When the scheme is published all these figures would be available.

Sardar Hukam Singh: What was the total amount of claims that were submitted?

Shri A. P. Jain: I have no figures about the number of claims.

Shri Gidwani: Are the Government aware that hundreds of claims filed within the prescribed date, for which the claimants have receipts with them, are not traceable in the Chief Claims Commissioner's office?